जॉर्ज वाशिंगटन

और जनरल का कुत्ता



फ्रैंक मर्फी

चित्र: रिचर्ड वाल्ज़

जॉर्ज वाशिंगटन और जनरल का कुत्ता

फ्रैंक मर्फी

चित्र: रिचर्ड वाल्ज़





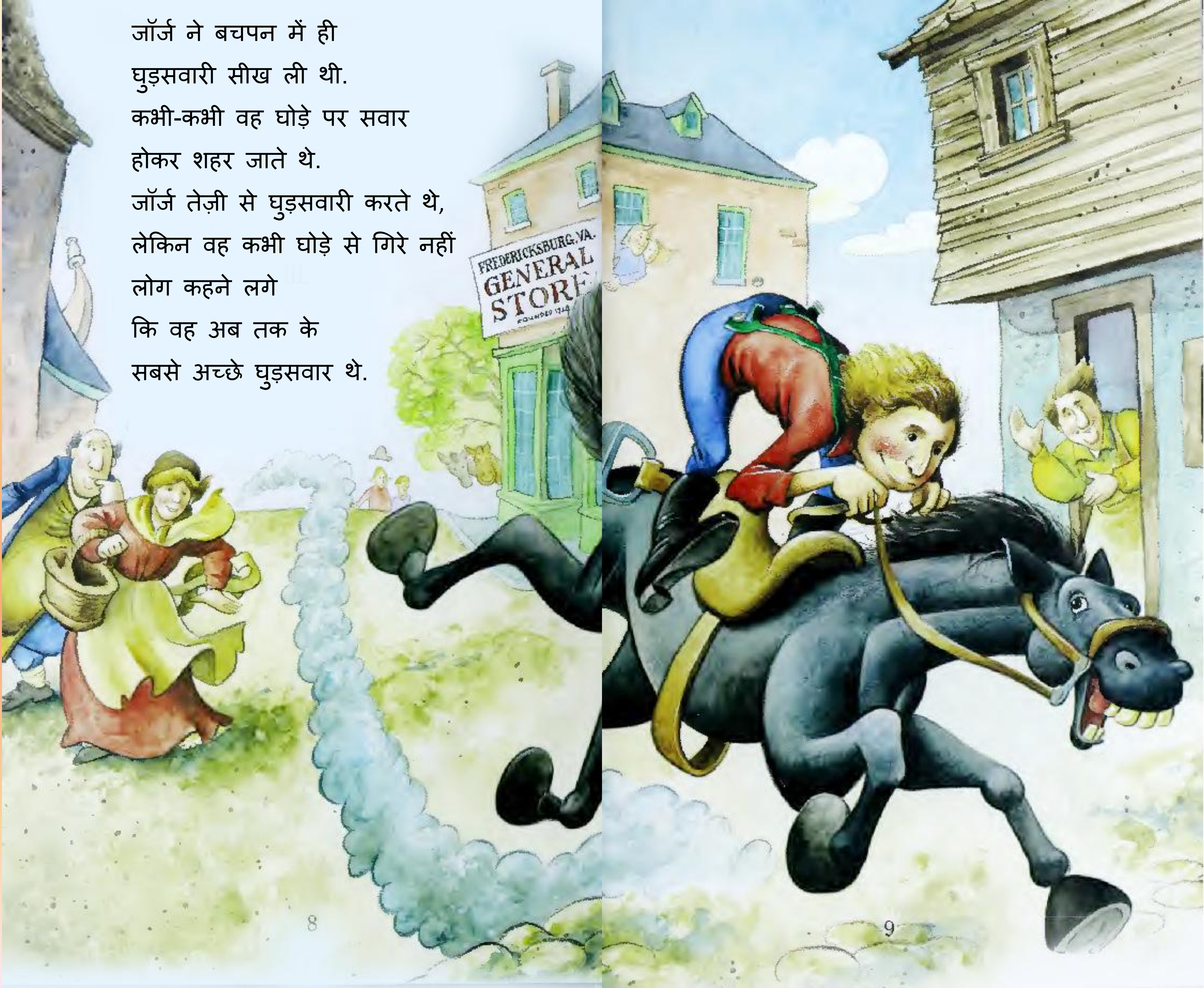


जॉर्ज वाशिंगटन अमेरिका के
सबसे महान नायकों में से एक हैं.
ज्यादातर लोग जानते हैं कि
जॉर्ज बहुत ईमानदार और बहादुर थे.
लेकिन जॉर्ज के बारे में कुछ ऐसा है
जो बहुत से लोग नहीं जानते हैं.

जॉर्ज वाशिंगटन जानवरों से बहुत प्यार करते थे.



जॉर्ज ने बचपन में ही
घुड़सवारी सीख ली थी.
कभी-कभी वह घोड़े पर सवार
होकर शहर जाते थे.
जॉर्ज तेज़ी से घुड़सवारी करते थे,
लेकिन वह कभी घोड़े से गिरे नहीं
लोग कहने लगे
कि वह अब तक के
सबसे अच्छे घुड़सवार थे.



जब जॉर्ज बड़े हुए,
तो वह माउंट वर्नोन नामक
एक फार्म में रहने चले गए.
जॉर्ज हर दिन घोड़ों और सूअरों की
देखभाल और जाँच करते थे.



वह बैलों, खच्चरों और भेड़ों
की भी देखभाल करते थे.





लेकिन वह सबसे ज़्यादा समय
अपने कुत्तों के साथ बिताते थे.

जॉर्ज के पास बहुत सारे कुत्ते थे.
अपने जीवनकाल में
उनके पास छत्तीस कुत्ते थे.
वह उन्हें शिकार पर ले जाते थे.
वह उनके साथ खेलते थे.
जॉर्ज ने उन्हें प्यारे नाम भी दिए थे
जैसे "मोप्सी", "स्वीटलिप्स"
और "ट्रूलव"





कभी-कभी जॉर्ज अपने कुत्तों को
बिगाड़ भी देते थे.
वह उन्हें घर में इधर-उधर दौड़ने देते थे.
एक दिन जॉर्ज की पत्नी मार्था ने
रात के खाने के लिए हैम पकाया.





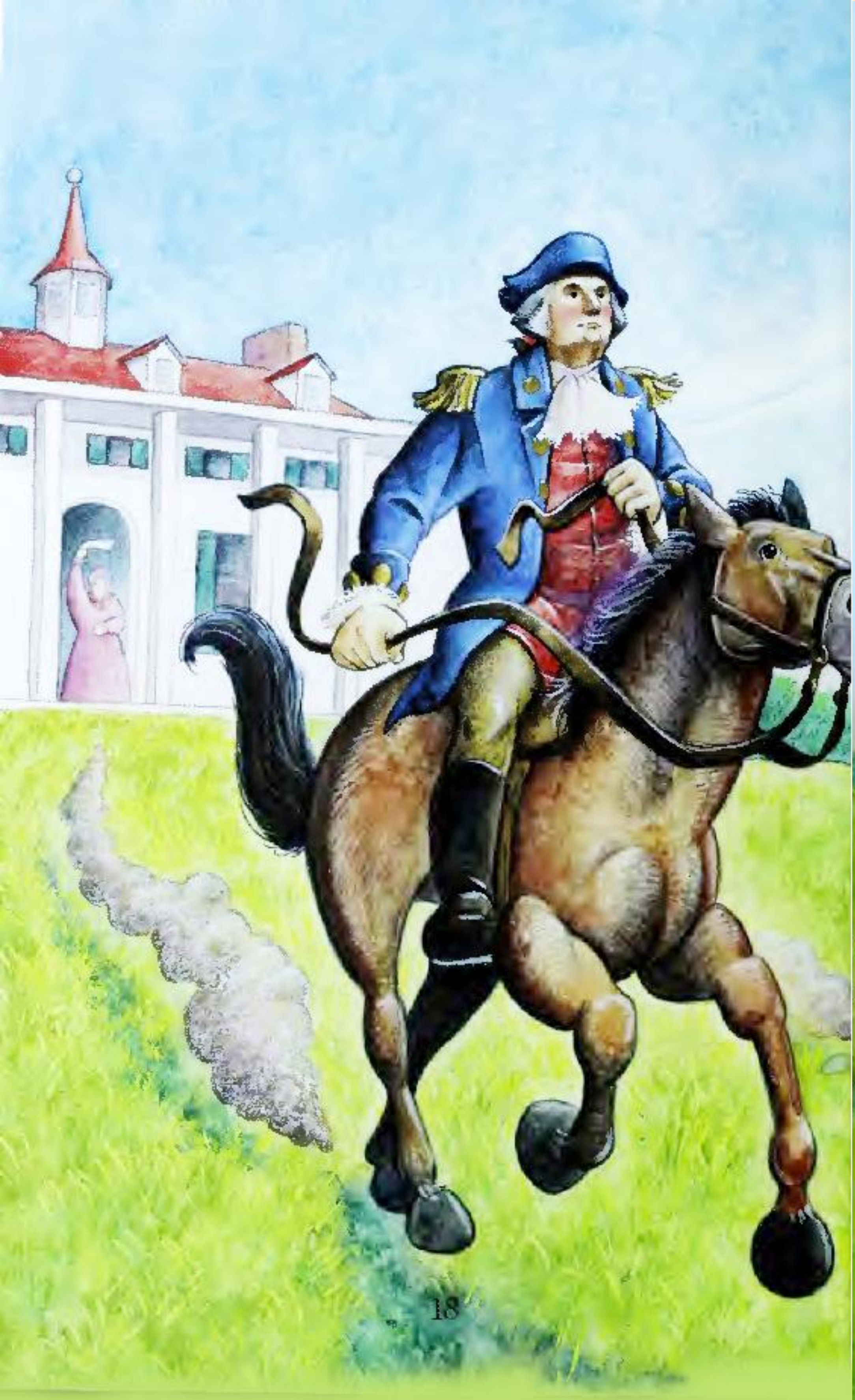
जॉर्ज का कुत्ता वल्कन उछला
और टेबल से हैम चुराकर ले गया!
मार्था ने उसका बहुत पीछा किया.
लेकिन जॉर्ज बस हंसता रहे.

जॉर्ज को मार्था और जानवरों के साथ
माउंट वर्नोन में रहना पसंद था.
लेकिन अमेरिका को उनकी जरूरत थी.





अमेरिका अभी तक
स्वतंत्र देश नहीं बना था.
वो एक अंग्रेजी उपनिवेश था.
इसका मतलब है कि वो इंग्लैंड के आधीन था.
कई अमेरिकी उपनिवेशवादी इंग्लैंड से
आज़ाद होना चाहते थे.
इसलिए उन्होंने युद्ध छेड़ा.
युद्ध को अमेरिकी क्रांति कहा गया.



उपनिवेशवादियों ने जॉर्ज को अपना जनरल चुना.
जॉर्ज ने अपने साथ जाने के लिए अपने पसंदीदा
कुत्ते स्वीटलिप्स को चुना.
उन्होंने मार्था और माउंट वर्नोन को
अलविदा कहा.
वह अपने घोड़े नेल्सन पर सवार हो गए.
फिर वो युद्ध के मैदान में चले गए.
स्वीटलिप्स उनकी ठीक बगल में था.



जॉर्ज के दिनों में सैनिक अक्सर युद्ध में
अपने साथ कुत्तों को लाते थे.
कुत्ते शिकार करने में मदद करते थे.



कुत्ते रास्ता दिखाने में मदद करते थे.



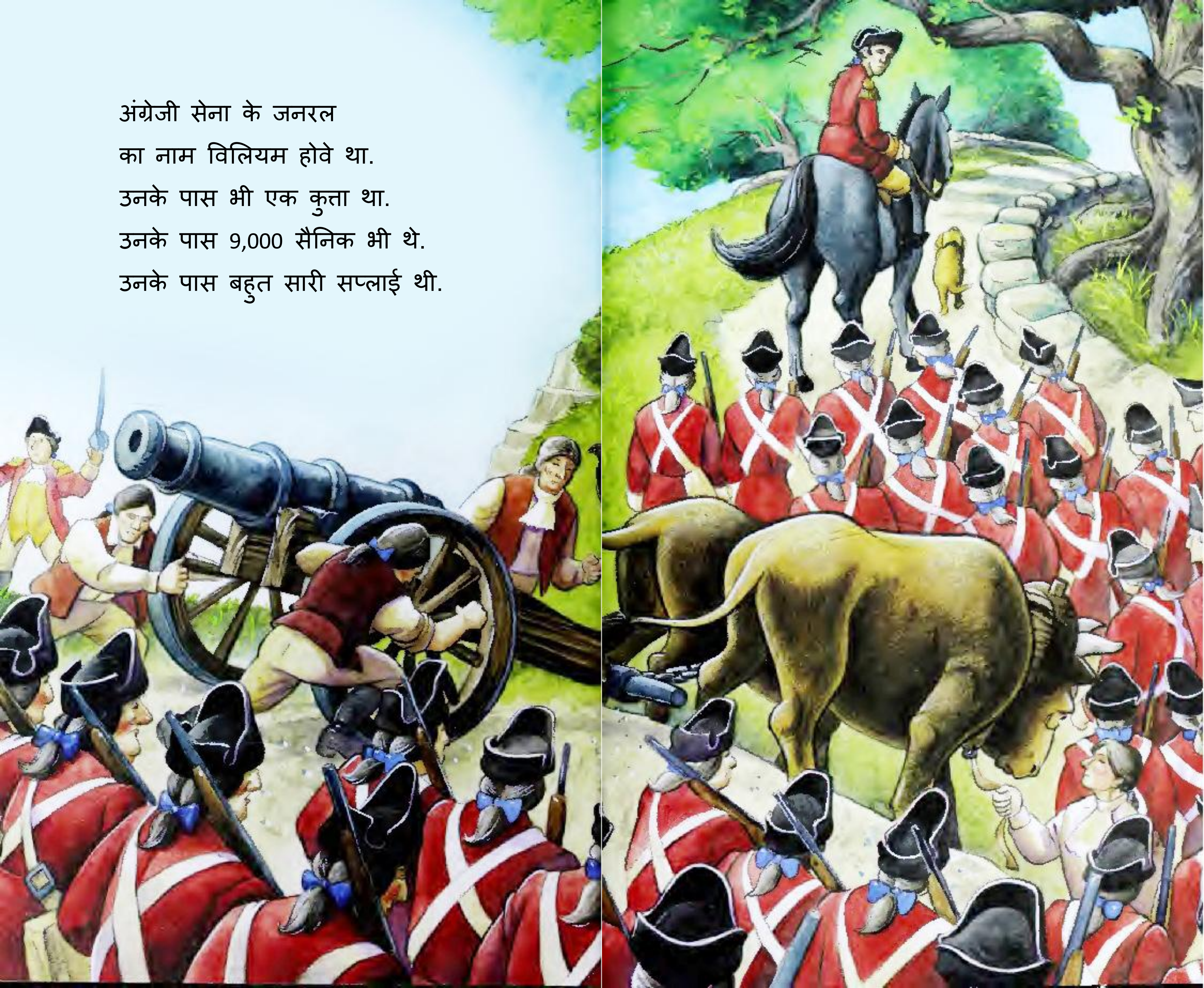


कुत्ते जंगली जानवरों से
रक्षा करने में मदद करते थे.



सबसे अच्छी बात यह थी
कि कुत्ते बहुत अच्छे साथी थे!

अंग्रेजी सेना के जनरल
का नाम विलियम होवे था.
उनके पास भी एक कुत्ता था.
उनके पास 9,000 सैनिक भी थे.
उनके पास बहुत सारी सप्लाई थी.



जॉर्ज के पास उतनी सप्लाई नहीं थी.
कभी-कभी उसके सैनिक
ठंड से ठिठुरते थे.
कभी-कभी वे भूखे रहते थे.
लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी.







1777 की शरद ऋतु में,
जॉर्ज के सैनिक पेनसिल्वेनिया गए.
वे अंग्रेजी सैनिकों से लड़ रहे थे.
बंदूकें चल रही थीं!
धूम! धूम! धूम! धूम!
तोपें गरज रही थीं.
धमाका! धमाका!
धुआँ हवा में भरा था.



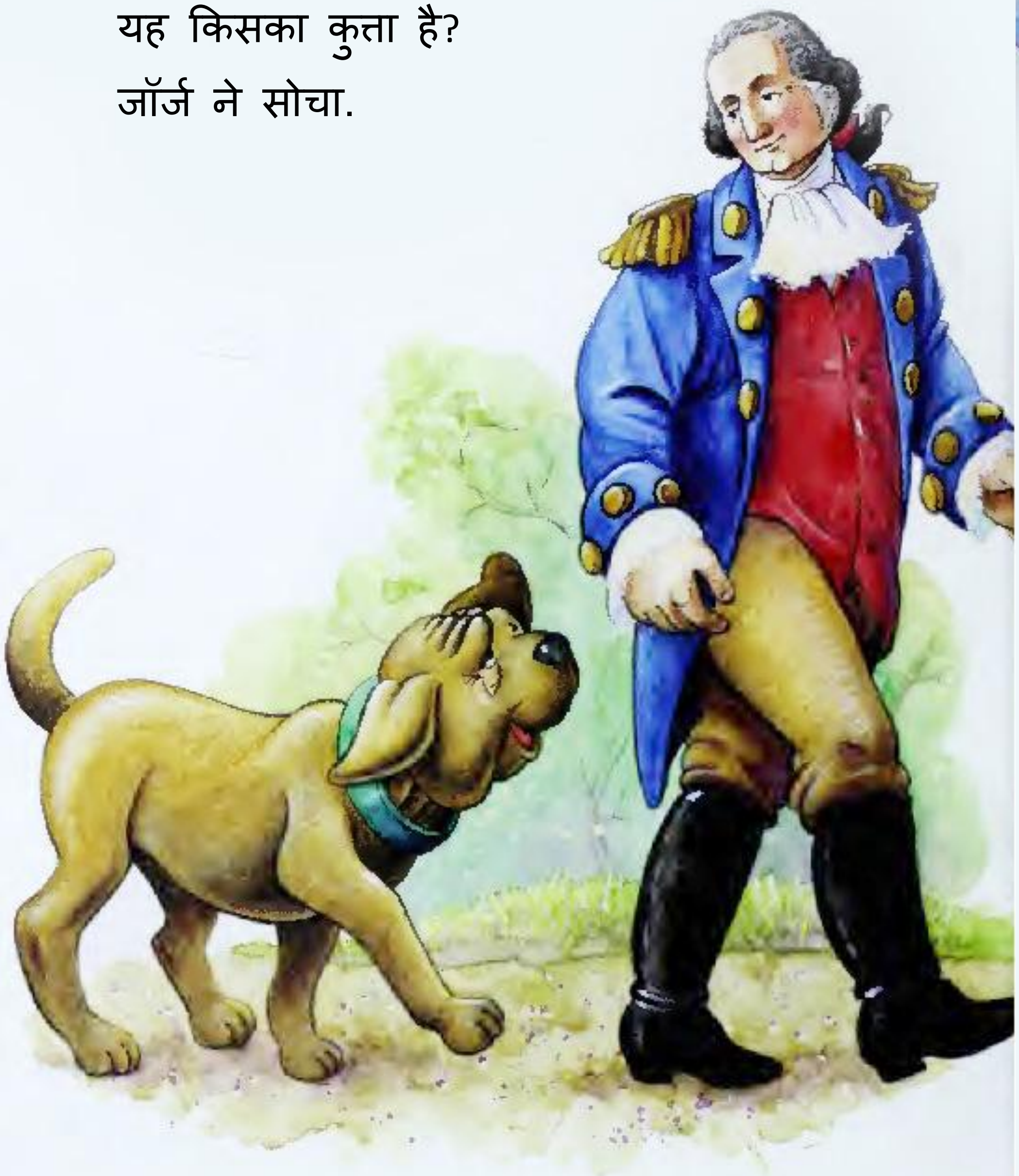
अंत में, लड़ाई समाप्त हो गई.
अंग्रेजी सैनिक
अपने शिविर में वापस चले गए.
उस दिन के लिए लड़ाई
खत्म हो गई थी.



धुआँ साफ होने लगा.
तभी जॉर्ज ने एक कुत्ते को देखा
कुत्ते के आसपास कोई सैनिक नहीं था.
वह खोया हुआ लग रहा था.
जॉर्ज नीचे झुके और उन्होंने
कुत्ते के सिर को थपथपाया.



कुत्ता जॉर्ज के पीछे-पीछे
उपनिवेशवादियों के शिविर में
वापस चला गया.
उसने अपनी दुम हिलाई.
यह किसका कुत्ता है?
जॉर्ज ने सोचा.





जॉर्ज ने कुत्ते के कॉलर को देखा.
टैग पर एक आदमी का नाम लिखा था.
वह नाम था विलियम होवे.
विलियम होवे!?
जॉर्ज को अपनी आँखों पर
विश्वास नहीं हुआ!
विलियम होवे तो उनका दुश्मन था!



दुश्मन के कुत्ते की बात
पूरे शिविर में फैल गई.
जॉर्ज के कुछ आदमी
कुत्ते को रखना चाहते थे.
लेकिन जॉर्ज ने मना कर दिया!
जॉर्ज का मानना था कि कुत्ता
उसके मालिक के पास होना चाहिए.
जॉर्ज ने अपने दोस्त
अलेक्जेंडर हैमिल्टन
से जनरल होवे को एक नोट लिखवाया.
नोट में लिखा था कि जॉर्ज
कुत्ते को वापस करना चाहते थे.



दोनों पक्षों ने सफेद झंडे फहराए.
सफेद झंडों का मतलब था
उस समय कोई भी लड़ नहीं सकता था.
जॉर्ज के सैनिकों ने कुत्ते को
युद्ध के मैदान में घुमाया.





उन्होंने उस कुत्ते को
जनरल होवे को वापस सौंप दिया.



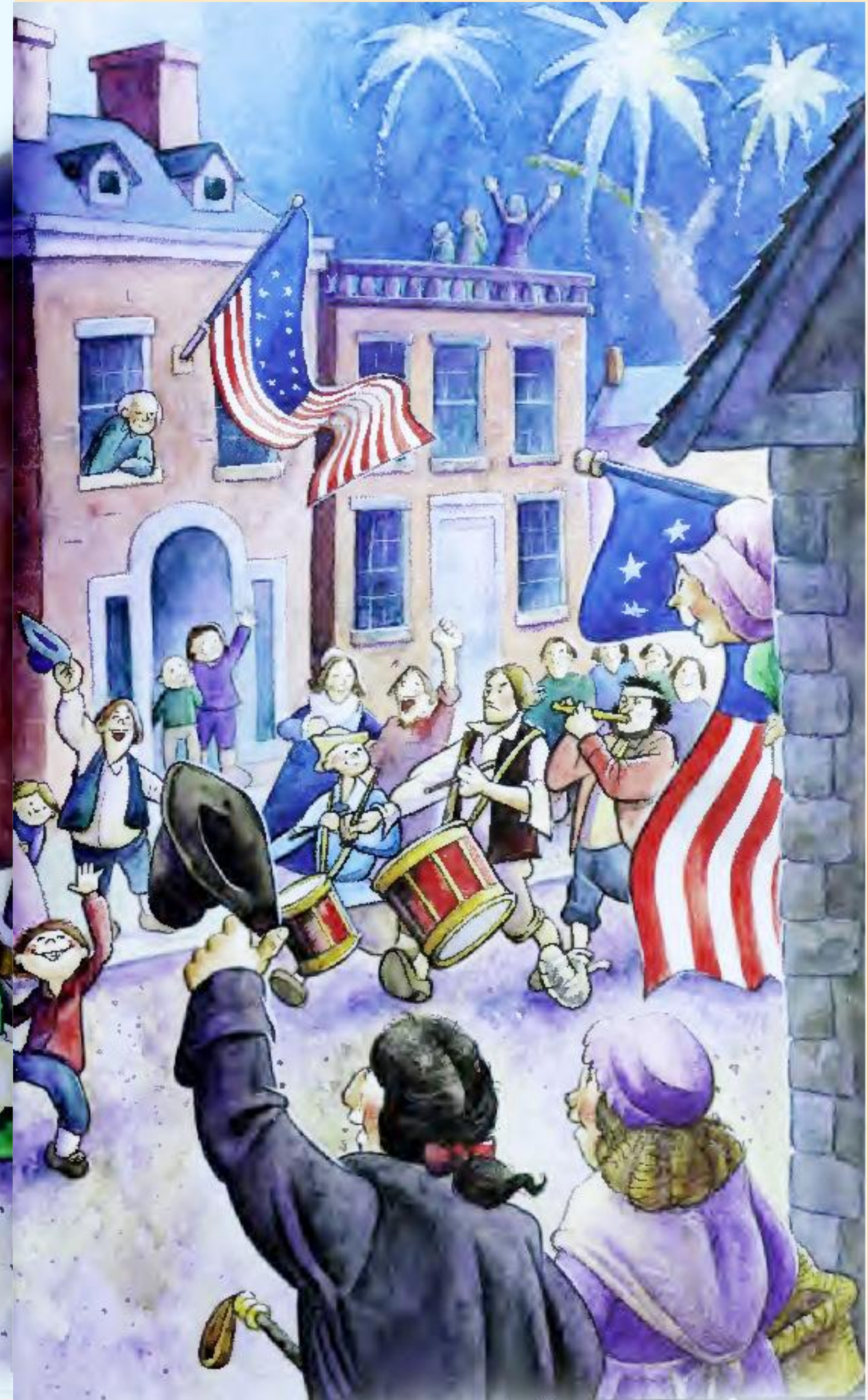


इंग्लैंड में लोगों को जॉर्ज के
अच्छे काम के बारे में पता चला.
अंग्रेज अभी भी जॉर्ज को हराना चाहते थे
और युद्ध जीतना चाहते थे.
लेकिन अब वे उनका
सम्मान करने लगे.
कुछ अंग्रेज लोग जॉर्ज को
पसंद भी करते थे.
उन्होंने दुश्मनों के बीच
इतनी बड़ी दयालुता की कहानी
पहले कभी नहीं सुनी थी.



1783 में अमेरिका ने
इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध जीता.
अमेरिका अब एक स्वतंत्र देश बन गया.
जॉर्ज वाशिंगटन माउंट वर्नोन में
अपने घर लौट गए.





दुनिया भर के दोस्त
जॉर्ज को सम्मानित करना चाहते थे.
वे सोचते रहे कि जॉर्ज को क्या पसंद आएगा.
फिर उन्हें कुत्ते की कहानी याद आई.
जल्द ही
माउंट वर्नोन में उपहार आने लगे.

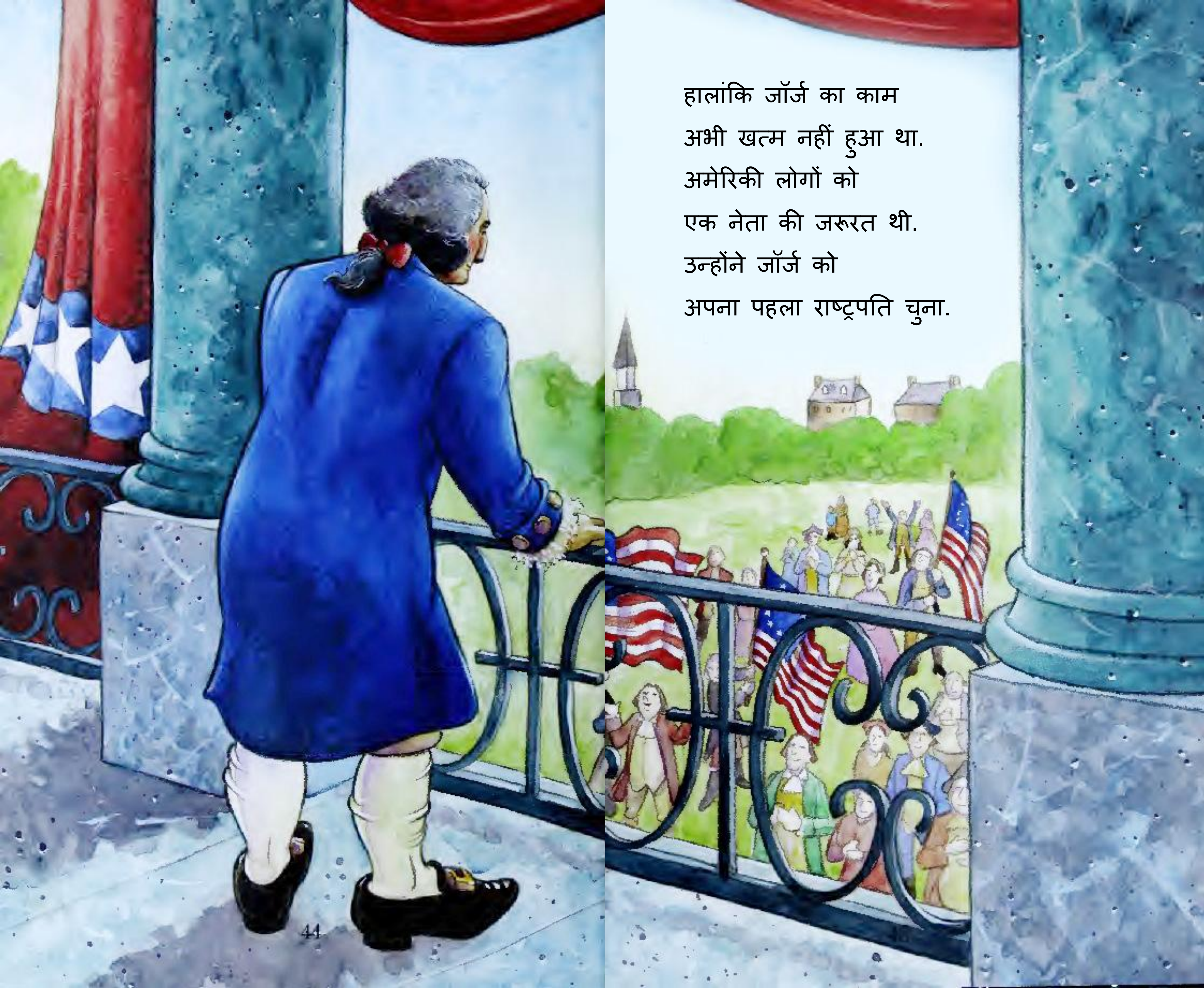


स्पेन के राजा ने जॉर्ज
को एक खच्चर भेजा!
जॉर्ज ने उसका नाम रखा
"शाही उपहार"



फ्रांस के एक दोस्त ने
जॉर्ज को और भी बड़ा उपहार दिया
- सात कुत्ते!





हालांकि जॉर्ज का काम
अभी खत्म नहीं हुआ था.
अमेरिकी लोगों को
एक नेता की जरूरत थी.
उन्होंने जॉर्ज को
अपना पहला राष्ट्रपति चुना.

पूरे अमेरिका में लोग
अपने नए राष्ट्रपति से प्यार करते थे.
जब वे अपनी गाड़ी में
सवार होकर निकलते थे
तो लोग खुशी से झूम उठते थे.
वे जानते थे कि यह वही हैं
क्योंकि उनके छह सफेद घोड़े
हमेशा आगे-आगे चलते थे.

